https://www.uoronline.com

This question paper contains 2 printed pages. Roll No. ....

B.A. (Pt. II) **Hindi Litt.-II**

2102-II A

B.A. (Part II) EXAMINATION, 2020

(For Non-Collegiate Candidates)
(Faculty of Arts)

(Three-Year Scheme of 10+2+3 Pattern)

HINDI LITERATURE - II

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(नाटक एवं एकांकी)

Time Allowed : Three Hours Maximum Marks : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें।

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) क्या? धर्मपद तुम भूल रहे हो कि तुम महाशिल्पी आचार्य विशु के सामने खड़े हो। पिछले दस दिन से निरन्तर चेष्टा करने पर भी ये मंदिर पर कलश को स्थापित नहीं कर सके और तुम-शास्त्रीय अध्ययन और अनुभव से शून्य-तुम कहते हो, इसे पूरा करना कठिन नहीं! अपनी शक्ति से बाहर की बात न करो युवक! 10

अथवा

कैसी अद्भुत थी मेरी माँ! ..... आँधियों के निर्दय झकझोर से भी न झुकनेवाले ताल-वृक्ष की तरह। मुझे गोदी में लिये, बहुत पहले, जब वह नगर में आई थी, तो कौन उसका सहायक था? मज़दूरी करके गरीबी के कष्ट और वैभव के अपमान सहकर, उसने मुझे पाला। 10

(ख) वह अभागा श्रीधर मैं ही हूँ। ..... विशु तो मेरा छद्म नाम है, जो मैंने शवर अटीविका से भाग आने पर रख लिया था। मैं ही वह श्रीधर हूँ जिसके कारण तुम्हारी माँ को इतने कष्ट उठाने पड़े। मैं ही वह कठोर, पापी, निर्दय तुम्हारा पिता हूँ, जिसने .....। 10

अथवा

ममता! (बाहर पुनः कोलाहल) वह सुनिए, मृत्यु की फैलती छाया में अत्याचारी से जूझनेवाले वीरों की पुकार सुनिए! क्या मैं उसे अनसुनी कर दूँ? उन्हें मेरी जरुरत है। शीतल होती हुई यज्ञ की अग्नि में एक बार फिर से आहुति की आवश्यकता है, शायद वह अन्तिम आहुति हो। 10

P.T.O.

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

(ग) तो क्या तुम सचमुच रानीहार नहीं दोगे? देखो इतने दिनों से हम मकान में इकट्ठे रहते आ रहे हैं। किसी को यह भी मालूम नहीं कि हम सम्बन्धी नहीं, केवल मित्र हैं। सब हमें भाई-भाई समझते हैं। दु:ख में, सुख में हमने एक दूसरे का साथ दिया है। किसी तरह का झगड़ा, किसी तरह की लड़ाई हमारे इस सम्बन्ध को नहीं तोड़ सकी – तो क्या तुम इस कमबख्त रानीहार को दस वर्षों की मित्रता के मध्य एक भयानक खाई बना दोगे? 10

अथवा

तुम जानती हो भय छोड़ देने से क्या होगा? तब मैं कुछ मिटा नहीं सकता, नाश नहीं कर सकता। मुझे बरबस सृजन करना होगा (रुआँसा होकर) और तब हमारी आत्मा और शरीर के मन्थन से जो निकलेगा, वह हमें मार डालेगा। हमारा अन्त कर देगा। तुम बूढ़ी हो जाओगी, जीवन-क्रीड़ा नन्हीं-सी रतन जड़ी रिस्टवाच की तरह रुक जाएगी। 10

(घ) सात तो बचपन में ही राम ने बुला लिये थे, बेटी। तीन बड़े होकर बम-पार्टी में चले गए। दो कहीं समन्दर पार के देश में चले गए। उनका तो कुछ पता ही नहीं लगा, जीते हैं या मर गए। मेरे पास से तो सब ऐसे गए, जैसे थे ही नहीं। हाँ, कुशल से कुछ आशा थी। उस पर बड़ी मन्नतें मानी थी। जात बोली, चढ़ावे चढ़ाये; पर वह भी ठीक विवाह के दिन .....। 10

अथवा

आज गृह-मन्त्री आपके मित्र हैं ..... लेकिन सन् बयालीस में गृह-मन्त्री आपके मित्र नहीं थे, जब पुलिस उन्हें हथकड़ियाँ पहनाकर आपके दरवाजे से ले गई थी। उस दिन आप उनसे दौड़कर गले नहीं मिले थे ..... उस दिन तो आप मिलिटरी के लिए ठेके ले रहे थे और आपके अखबार अंग्रेजी सरकार का विज्ञापन छाप रहे थे कि कांग्रेस वाले गुण्डे हैं। 10

https://www.uoronline.com

2. एकांकी के तत्वों के आधार पर "हरी घास पर घण्टे भर' एकांकी की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'ताँबे के कीड़े' एकांकी के शीर्षक का औचित्य स्पष्ट करते हुए इसकी मूल संवेदना का विवेचन कीजिए। 15

3. 'काल पुरुष और अजन्ता की नर्तकी' एकांकी के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए इस एकांकी के कथानक का सार एवं विशेषताएँ लिखिए। 15

https://www.uoronline.com

अथवा

'उत्सर्ग' एकांकी के आधार पर छाया देवी का चरित्र-चित्रण कीजिए। 15

4. 'कोणार्क' नाटक का उद्देश्य समझाइए। 15

अथवा

विशु ही 'कोणार्क' नाटक का नायक क्यों है? उसके चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 15

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2x7½=15

(i) रंगमंच की उपयोगिता

(ii) नाटक और एकांकी में अन्तर

(iii) मोहन राकेश के नाटकों पर संक्षिप्त लेख

(iv) हिन्दी एकांकी के विकास में डॉ. रामकुमार वर्मा का योगदान

-o0o-

https://www.uoronline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भैजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.uoronline.com